Date: 6 July 2013	Edition: New Delhi/NCR
Page No: City Page	Headline: Does speed matter?

Dainik Hindustan

क्या ज्यादा स्पीड से कुछ फर्क पड़ता है?

नई दिल्ली। आम धारणा के एकदम विपरीत, किसी कम्पनी से इंटरनेट कनेक्शन लेते वक्त सिर्फ गति ही एकमात्र कारण नहीं है

पिछले कुछ वर्षों में भारतीय उपभोक्ताओं के बीच इंटरनेट के उपयोग और इसकी मांग में काफी वृद्धि हुई है। एक रिसर्च रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में अमेरिका और चीन के बाद भारत इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या में तीसरे नंबर पर है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि यह संख्या वर्ष 2011 में 125 मिलियन के मुकाबले वर्ष 2016 तक 330 मिलियन तक बढ़ कर तीन गुना होने की संभावना है। सस्ते इंटरनेट प्लान, इन्टरनेट पर ढेरों एप्लीकेशंस, विविध सामग्री की उपलब्धता और स्मार्टफोन्स तथा टेबलेट के बढ़ते हुए इस्तेमाल ही इस बढ़ते प्रचलन के प्रमुख कारण हैं।

यह भी देखा जा रहा है कि उपभोक्ताओं द्वारा इन्टरनेट उपयोग करने के तरीके में बदलाव आया है। जिस तरह मोबाइल फोन के आ जाने से फिक्स्ड लाइन फोन के इस्तेमाल में बदलाव आया है, उसी तरह इंटरनेट का इस्तेमाल भी डेस्कटॉप कंप्यूटर से स्मार्टफोन, नोटबुक और टेबलेट्स की तरफ बढ़ रहा है। फिक्स्ड से मोबाइल की तरफ जाते हुए सबसे प्रमुख बदलाव इसमें आया है कि कोई व्यक्ति कितना डाटा इस्तेमाल करता है या हर घर अथवा हर व्यक्ति द्वारा या प्रति माह डाटा उपयोग कितना है। हम यह पहले से देख रहे हैं कि हर 18 महीने में प्रत्येक उपभोक्ता का इन्टरनेट उपयोग दोगुना बढ़ रहा है और विभिन्न शोध रिपोर्टों से यह अनुमान लगाया गया है कि हर घर में प्रत्येक व्यक्ति का औसत डेटा उपयोग वर्तमान उपयोग के स्तर से कई सौ गुना होने की उम्मीद है।

इससे उपभोक्ताओं की पसंद या खरीददारी की मानसिकता में बदलाव आ रहा है। पहले एक उपभोक्ता जहाँ 512 केबीपीएस गति का ब्रॉडबैंड कनेक्शन होने पर गर्व महसूस करता था, वहीँ आज 1 एमबीपीएस गति वाला कनेक्शन होने पर भी उसे संतुष्टि नहीं मिलती।

जिस तरह से इन्टरनेट सेवा प्रदाता इन्टरनेट के विभिन्न विस्तृत प्लान्स पेश कर स्पीड का ज्यादा गुणगान कर रहे हैं, उससे एक आम ग्राहक उलझन में पड़ जाता है कि कौन सा प्लान उसके लिए सही है और कौन सा नहीं। इन्टरनेट पर कंटेंट का विशाल भंडार, वीडियो और सोशल मीडिया के एप्लीकेशन उपलब्ध होने से उपभोक्ता के मन में संदेह उत्पन्न हो जाता है कि उसे इन्टरनेट प्लान में उसे किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? एक विशेष प्लान का चयन करते समय किन पहलुओं पर विचार करना चाहिए? क्या स्पीड ही एकमात्र मानदंड है या फिर स्पीड, डाटा ट्रान्सफर तथा बजट में एक संतुलन होना चाहिए? चुनने के लिए ढेर सारे विकल्पों और मार्केटिंग तिकड़मबाजियों के जमाने एक उपभोक्ता को सेवा प्रदाता से यह सवाल करना चाहिए कि क्या उसे वास्तव में उच्च मूल्य पर उच्च गति प्लान की

जरुरत है जिसमे उसे औसत उपयोग के लिए प्रति माह थोड़ा सा ही डाटा ट्रांसफर उपलब्ध होता है?

जरा सोचिये: एक जबरदस्त भीड़-भाड़ वाली सड़क पर चलाने के लिए बहुत महंगी कार, जो 200 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती है, क्या उसे खरीदने के लिए बेतहाशा पैसा खर्च करना सही निर्णय है या एक औसत मिड रेंज कार जो एक लीटर में ज्यादा चलती है, खरीदना एक समझदार विकल्प है? हम जानते हैं कि भारतीय उपभोक्ता ज्यादा स्पीड की अपेक्षा ज्यादा माइलेज पसंद करते है। इसी तरह अगर हम यह मान कर चलें कि इंटरनेट उपयोग अलग उपभोक्ताओं के लिए अलग-अलग है तो इंटरनेट के उपयोग में स्पीड का 'सुख' इस बात पर निर्भर करता है कि वास्तव में उपभोक्ता इससे क्या चाहता है। इसलिए एक नियमित रूप से स्ट्रीमिंग और डाउनलोड करने वाले उपभोक्ता की अपेक्षा सर्फिंग और बुनियादी इंटरनेट इस्तेमाल करने वाले उपभोक्ता की जरूरतें बिलकुल अलग होती हैं। सीधे शब्दों में कहा जाये तो उपभोक्ताओं के लिए भुगतान करने से पहले उत्पाद की उपयोगिता पर सवाल करना महत्वपूर्ण है।

उदाहरण के लिए, एक ऑनलाइन गेम खेलने के लिए, एक क्रिकेट मैच की निर्बाध स्ट्रीमिंग के लिए या इंटरनेट पर वीडियो देखने के लिए सिर्फ1 एमबीपीएस की गति ही काफी है। 4 एमबीपीएस की गति पर आप एक ही समय में स्ट्रीमिंग या तीन से चार वीडियो डाउनलोड कर सकते हैं। इसका मतलब ये हुआ कि एक निश्चित बिंदु के बाद गति से ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। इंटरनेट एक बार उपभोक्ता को वो काम करने की अनुमति दे जो वह चाहता है उसके बाद उसे गति पर बहुत ज्यादा विचार नहीं करना चाहिए।

इस के अलावा, इंटरनेट की उच्च गति इंटरनेट सेवा प्रदाता द्वारा प्रदान किये गए उपयोग कोटा और डेटा पैकेट को प्राप्त करने और भेजने के लिए इस्तेमाल किये जाने वाले सर्वर तथा क्लाइंट उपकरण की क्षमता पर निर्भर करती है। उपभोक्ताओं को इस तथ्य के प्रति सजग होना चाहिए कि ज्यादा स्पीड वाले ब्रॉडबैंड प्लान से उन्हें इतना ज्यादा फायदा नहीं होगा अगर उनके इंटरनेट प्लान में प्रतिमाह उतना डाटा इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं है जितनी उनको जरुरत है।

आज उपभोक्ता समझदार हैं और अपने लिए सही ब्रॉडबैंड प्लान का चयन कर करने में सक्षम हैं। लेकिन अगर कोई सही ब्रॉडबैंड प्लान का चयन किसी प्रक्रिया द्वारा करना चाहता है तो यहाँ पर एक सरल प्रक्रिया दी जा रही है।

1. सबसे पहले उन प्लान्स को देखें जो आपके बजट के अन्दर फिट बैठते हों।
2. फिर उन प्लान्स को चुने जो बिना किसी स्पीड डाउनग्रेड के आपके मासिक डाटा इस्तेमाल की जरुरत को पूरा करते हों।
3. उन में से वह प्लान चुने जिसकी स्पीड सबसे ज्यादा हो।

लेखक:
हेरम्ब रानाडे
चीफमार्केटिंग ऑफिसर
तिकोना डिजिटल नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड